जल आपूर्ति एवं मल व्ययन संस्थान के गैस संयंत्र

737. **श्री सूरज प्रसाद** : क्या शहरी विकास मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) उन स्थानों के नाम क्या हैं जहां दिल्ली नगर निगम के जल आपूर्ति एव मल व्ययन संस्थान ने गैस संयंत्र स्थापित किए हैं और प्रत्येक संयंत्र में कितने-कितने मूल्य की मशीनरी लगी हुई है ; और

(ख) गत तीन वर्षों के दौरान प्रत्येक संयंत्र में कितनी-कितनी मात्रा में गैस उत्पादित की गयी और गैस की बिक्री से कितनी आमदनी हुई ;

शहरी विकास मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री दलबीर सिंह) : (क) इस समय, दिल्ली जल आपूर्ति एवं मल व्ययन संस्थान के तीन मल शोधन संयंत्र ओखला, केशोपुर और कारोनेशन पिल्लर में है। केवल ओखला मल शोधन संयंत्र से घरेलू ईंधन के रूप में गैस उपलब्ध कराई जा रही है, जहां दबाव को बढ़ाने के लिए 82 लाख रुपये की लागत से एक गैस बूस्टर स्टेशन स्थापित किया गया था।

(ख) संलग्न विवरणानुसार ।

विवरण

स्थान का नाम	वर्षवार मात्रा (घनफुट लाखों में)			गोबर गैस की बिक्री से आमदनी (लाख रुपये)		
	1984-85	1985-86	1986-87	1984-85	1985-86	1986-87
1. ओखला	1356	1501	1486	4.56	6.28	10.00
2. केशोपुर	72	72	72	केशोपुर गोबर गैस को जलाकर खत्म किया जा रहा है क्योंकि इस संयंत्र में गोबर गैस को उपयोग में लाने का कोई सुविधा नहीं है ।		
3. कारोनेशन पिल्लर	शून्य	शून्य	शून्य			

Delay in completion of irrigation projects

738. SHRI K. MOHANAN: Will the Minister of WATER RESOURCES be pleased to state:

(a) what are the reasons for the delay in the completion of planned irrigation projects particularly 48 major projects in various States and in one Union Territory; and

(b) whether such projects were cleared and the necessary finance provided in time by the Central Government?

THE MINISTER OF WATER RESOURCES (SHRI B. SHANKRANAND): (a) and (b) The reasons for delay in completion of the projects include inadequate investigations at the time of formulation, proliferation of projects, scarcity of resources, difficulties in land acquisition and changes in the scope of the projects. Irrigation Projects are planned, funded and implemented by State Governments and Central assistance is given in the form of block grants and loans and is not tied to any project or sector of development and as such necessary finances are to be provided by the State Governments concerned for completion of the projects.

Expansion Plans for Bokaro and Bhilai Steel Plants

739. SHRI ASHWANI KUMAR:
SHRI SHANKER SINH VAGHELA:

Will the Minister of STEEL AND MINES be pleased to state:

(a) when were the expansion plans for Bokaro and Bhilai Steel Plants approved and for how much cost; and